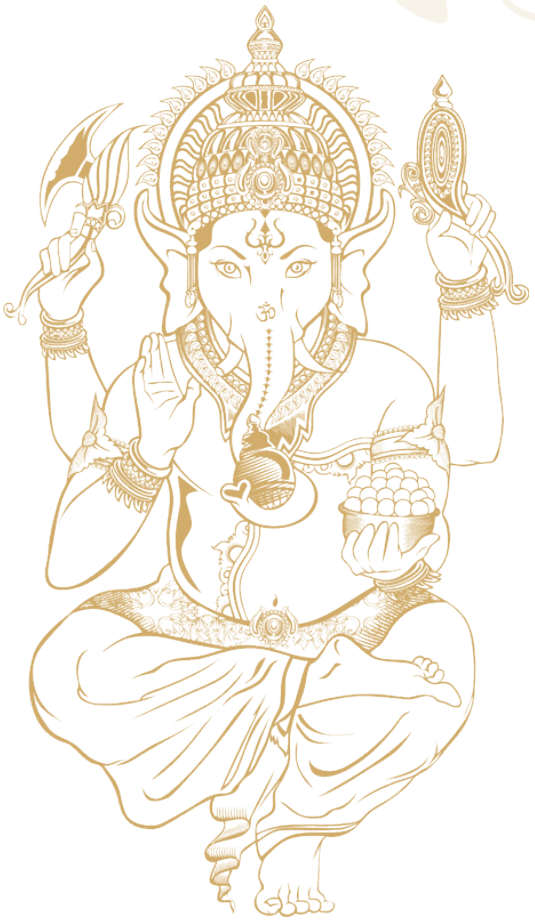

?????? ????

02 May 1984

01:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121275010

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/05/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	19:35:32 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:03 घंटे
साम्पातिक काल	03:50:33 घंटे
सूर्योदय	05:39:47 घंटे
सूर्यास्त	18:56:54 घंटे
दिनमान	13:17:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:27:51 मेष
लग्न के अंश	08:01:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:01:14	312:43:02	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मेष	18:27:51	00:58:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			वृष	02:06:47	12:41:00	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल	व		वृश्चि	00:17:31	00:18:49	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	स्वराशि
बुध	व	अ	मेष	03:05:09	00:15:18	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		धनु	19:19:07	00:00:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	06:31:34	01:13:49	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		तुला	19:31:31	00:04:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	उच्च राशि
राहु	व		वृष	12:59:38	00:01:03	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	12:59:38	00:01:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	19:06:50	00:02:00	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
नेप	व		धनु	07:33:28	00:00:54	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	06:47:24	00:01:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृष	06:11:25	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:00

लग्न-चलित

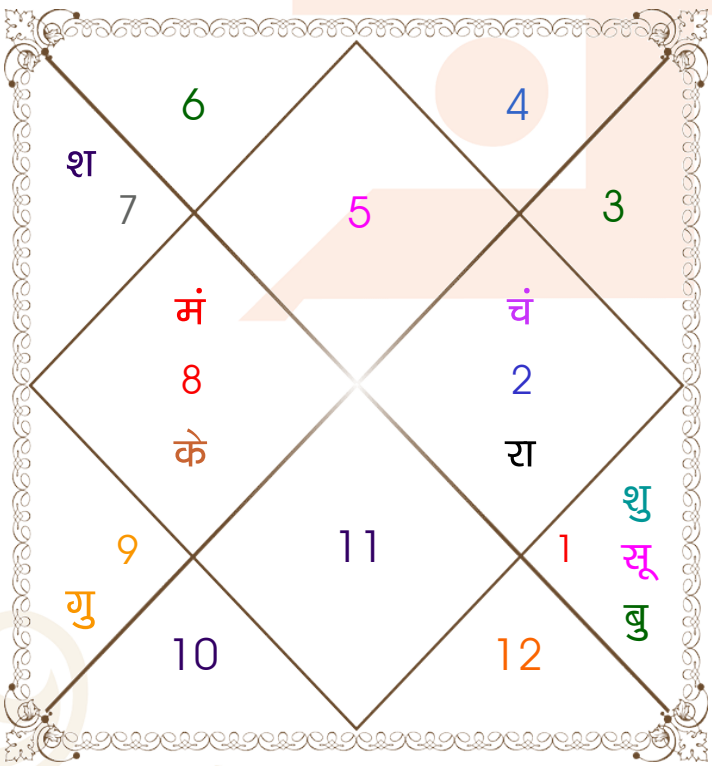

चन्द्र कुंडली

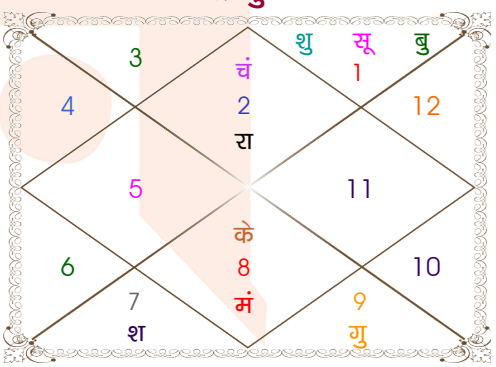

नवमांश कुंडली

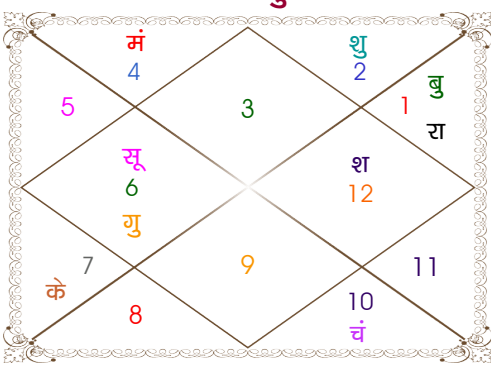

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 6 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/05/1984		19/11/1987		19/11/1997		19/11/2004		19/11/2022	
19/11/1987		19/11/1997		19/11/2004		19/11/2022		19/11/2038	
	00/00/0000	चंद्र	19/09/1988	मंगल	17/04/1998	राहु	02/08/2007	गुरु	06/01/2025
	00/00/0000	मंगल	20/04/1989	राहु	06/05/1999	गुरु	25/12/2009	शनि	21/07/2027
	00/00/0000	राहु	20/10/1990	गुरु	10/04/2000	शनि	31/10/2012	बुध	26/10/2029
	02/05/1984	गुरु	19/02/1992	शनि	20/05/2001	बुध	21/05/2015	केतु	01/10/2030
गुरु	25/09/1984	शनि	19/09/1993	बुध	17/05/2002	केतु	07/06/2016	शुक्र	01/06/2033
शनि	07/09/1985	बुध	18/02/1995	केतु	14/10/2002	शुक्र	08/06/2019	सूर्य	21/03/2034
बुध	14/07/1986	केतु	19/09/1995	शुक्र	14/12/2003	सूर्य	02/05/2020	चंद्र	21/07/2035
केतु	19/11/1986	शुक्र	20/05/1997	सूर्य	20/04/2004	चंद्र	01/11/2021	मंगल	26/06/2036
शुक्र	19/11/1987	सूर्य	19/11/1997	चंद्र	19/11/2004	मंगल	19/11/2022	राहु	19/11/2038

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/11/2038		19/11/2057		19/11/2074		19/11/2081		20/11/2101	
19/11/2057		19/11/2074		19/11/2081		20/11/2101		00/00/0000	
शनि	22/11/2041	बुध	17/04/2060	केतु	17/04/2075	शुक्र	20/03/2085	सूर्य	09/03/2102
बुध	01/08/2044	केतु	14/04/2061	शुक्र	16/06/2076	सूर्य	21/03/2086	चंद्र	08/09/2102
केतु	10/09/2045	शुक्र	13/02/2064	सूर्य	22/10/2076	चंद्र	19/11/2087	मंगल	14/01/2103
शुक्र	09/11/2048	सूर्य	19/12/2064	चंद्र	23/05/2077	मंगल	18/01/2089	राहु	09/12/2103
सूर्य	22/10/2049	चंद्र	20/05/2066	मंगल	19/10/2077	राहु	19/01/2092	गुरु	03/05/2104
चंद्र	24/05/2051	मंगल	18/05/2067	राहु	07/11/2078	गुरु	19/09/2094		00/00/0000
मंगल	02/07/2052	राहु	04/12/2069	गुरु	14/10/2079	शनि	19/11/2097		00/00/0000
राहु	09/05/2055	गुरु	11/03/2072	शनि	22/11/2080	बुध	20/09/2100		00/00/0000
गुरु	19/11/2057	शनि	19/11/2074	बुध	19/11/2081	केतु	20/11/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।